



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रायोगिक ब्लॉक स्तरीय एग्रोमेट एडवाइजरी बुलेटिन
(आईएमडी और आईसीएआर की एक संयुक्त पहल)



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-02-2024

कोरिया(छत्तीसगढ़) में बैकुंठपुर ब्लॉक के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-02-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-02-21	2024-02-22	2024-02-23	2024-02-24	2024-02-25
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	30.0	29.0	29.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	13.0	12.0	13.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	85	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	11	12	9	10
पवन दिशा (डिग्री)	281	261	23	25	30
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में आसमान साफ एवंआमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः २९.० से ३०.०°C और १२.० से १६.०°C के मध्य रह सकता है। सुबह हवा में ८०-८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ३०-३५ प्रतिशत नमी रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में हवा की गति लगभग ८-१२ किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है।

सामान्य सलाहकार:

वर्तमान मौसम को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह है कि रबी फसलों के कटाई के उपरांत अधिक समय के लिए खेतों में न रखे तथा जल्द से जल्द मिसाई कर अच्छी तरह सुखाकर सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें।

लघु संदेश सलाहकार:

अगले दिनों में तापमान बढ़ने की संभावना को देखते हुये ग्रीष्मकालीन उड़द एवं ग्रीष्मकालीन सब्जियों वाली फसलों में उचित अन्तराल पर सिंचाई करे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	समय से बोई गई गेहूँ की फसल फुल अवस्था से दाना भरने की अवस्था में आ गई है एवं इस समय फसल में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए, नमी की कमी होने पर खेत की सिंचाई करे। जहाँ गेहूँ की फसल

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	बालियाँ निकलने की अवस्था में हैं अतः जो किसान भाई बीज उत्पादन करना चाहते हैं, वे विजातीय पौधों को निकालकर खेत से अलग करें।
चना	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि खेत की सतत निगरानी करते रहे एवं इल्ली का प्रकोप होने पर इल्ली को हाथ से चुनकर नष्ट करे तथा इसके प्रारम्भिक नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन जैसे फीरोमोन प्रपंच, प्रकाश प्रपंच या अनुशंसित दवाई की निर्धारित मात्रा का उपयोग करें। चने में बड़ी इल्लियों के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफास + साइपरमेथ्रिन मिश्रित कीटनाशक 400 मि.ली./ एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में घोलकर मौसम खुलने पर छिड़काव करे।
सरसों	सरसों कि फसल में माहूँ (एफिड) कीट की शिशु और वयस्क दोनों ही हानिकारक अवस्थाएँ है। इस कीट का अधिक प्रकोप होने पर नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 250 मि.ली. प्रति हे. की दर से घोल बनाकर 10-15 दिन के अंतराल पर आवश्यकतानुसार दो से तीन बार छिड़काव करें। निचली पत्तियों पर रोग के लक्षण दिखाई देने पर मेटालेकिसल ०१ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से मौसम खुलने पर छिड़काव करें। रोग की तीव्रता के अनुसार 10-12 दिन बाद एक छिड़काव और किया जा सकता है। समय से बुआई की गई सरसों की फसल परिपक्वता अवस्था में आ गई हो, तो किसान भाई इसकी कटाई करे एवं उसे २-३ दिनों तक धूप में सूखने दे।
काला चना	ग्रीष्मकालीन फसलों जैसे- मुंग, उड़द एवं मूंगफली तथा सब्जिया किसान भाई अभी तक नहीं लगाये हो तो, यथाशिघ्र खेत की जुताई कर बुआई करे। मुंग एवं उड़द के बीज को बोने से पहिले राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करे। यदि फसल की बुआई हो गई हो तो, फसल की निंदाई एवं गुड़ाई का कार्य करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	आम में इस समय बौर (फुल) आ चुका है तथा फल लगना प्रारम्भ हो रहा है। इस अवस्था में बौर में भभूतिया रोग लगने की संभावना रहती है। अतः सलाह दी जाती है कि इसकी सतत निगरानी करें तथा रोग के लक्षण दिखाई देने की स्थिति में बॉविस्टीन 1.5 ग्राम अथवा सल्फेक्स 3 ग्राम प्रतिलीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें। आम में फल मटर के दाने के बराबर हो गए हो तो सिंचाई करने की सलाह दी जाती है, जिससे की फलो को झड़ने से बचाया जा सके।
आलू	किसान भाई आलू, अदरक, हल्दी एवं कंद वर्गीय फसलों की खुदाई कर सुरक्षित स्थान पर रखे। किसान भाई अपने फसल के परिपक्वता की अवस्था को देखते हुए खुदाई से ७ से १० दिन पहिले ऊपर का पत्ता काटकर हटा दे, ताकि आलु सक्त एवं उसका छिलका भी भली-भांति परिपक्व हो जायें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू गायों एवं भैंसों को प्रोटीन युक्त दलहनी हरा चारा जैसे बरसिम एवं लुसर्न की कटाई कर सूखे चारे जैसे गेहूँ का भूसा एवं कुट्टी के साथ ३:१ के अनुपात में मिलाकर खिलायें। किसान भाई अपने जानवरों को धूप में निकलने से बचाये, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाये तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलाये। पशु बाड़े को हवादार बनाये एवं गिले बारदाने लटकाकर ठंडा रखे। यदि संभव हों तो पशु बाड़े में फौगर की व्यवस्था कर हर चार-पाच घंटे में फौगर चलायें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रायोगिक ब्लॉक स्तरीय एग्रोमेट एडवाइजरी बुलेटिन
(आईएमडी और आईसीएआर की एक संयुक्त पहल)



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-02-2024

कोरिया(छत्तीसगढ़) में सोनहत ब्लॉक के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-02-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-02-21	2024-02-22	2024-02-23	2024-02-24	2024-02-25
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	30.0	29.0	29.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	13.0	12.0	13.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	85	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	11	12	9	10
पवन दिशा (डिग्री)	281	270	23	25	45
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में आसमान साफ एवंआमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः २९.० से ३०.०°C और १२.० से १६.०°C के मध्य रह सकता है। सुबह हवा में ८०-८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ३०-३५ प्रतिशत नमी रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में हवा की गति लगभग ८-१२ किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है।

सामान्य सलाहकार:

वर्तमान मौसम को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह है कि रबी फसलों के कटाई के उपरांत अधिक समय के लिए खेतों में न रखे तथा जल्द से जल्द मिसाई कर अच्छी तरह सुखाकर सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें।

लघु संदेश सलाहकार:

अगले दिनों में तापमान बढ़ने की संभावना को देखते हुये ग्रीष्मकालीन उड़द एवं ग्रीष्मकालीन सब्जियों वाली फसलों में उचित अन्तराल पर सिंचाई करे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	समय से बोई गई गेहूँ की फसल फुल अवस्था से दाना भरने की अवस्था में आ गई है एवं इस समय फसल में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए, नमी की कमी होने पर खेत की सिंचाई करे। जहाँ गेहूँ की फसल

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	बालियाँ निकलने की अवस्था में हैं अतः जो किसान भाई बीज उत्पादन करना चाहते हैं, वे विजातीय पौधों को निकालकर खेत से अलग करें।
चना	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि खेत की सतत निगरानी करते रहे एवं इल्ली का प्रकोप होने पर इल्ली को हाथ से चुनकर नष्ट करे तथा इसके प्रारम्भिक नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन जैसे फीरोमोन प्रपंच, प्रकाश प्रपंच या अनुशंसित दवाई की निर्धारित मात्रा का उपयोग करें। चने में बड़ी इल्लियों के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफास + साइपरमेथ्रिन मिश्रित कीटनाशक 400 मि.ली./ एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में घोलकर मौसम खुलने पर छिड़काव करे।
सरसों	सरसों कि फसल में माहूँ (एफिड) कीट की शिशु और वयस्क दोनों ही हानिकारक अवस्थाएँ है। इस कीट का अधिक प्रकोप होने पर नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 250 मि.ली. प्रति हे. की दर से घोल बनाकर 10-15 दिन के अंतराल पर आवश्यकतानुसार दो से तीन बार छिड़काव करें। निचली पत्तियों पर रोग के लक्षण दिखाई देने पर मेटालेकिसल ०१ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से मौसम खुलने पर छिड़काव करें। रोग की तीव्रता के अनुसार 10-12 दिन बाद एक छिड़काव और किया जा सकता है। समय से बुआई की गई सरसों की फसल परिपक्वता अवस्था में आ गई हो, तो किसान भाई इसकी कटाई करे एवं उसे २-३ दिनों तक धूप में सूखने दे।
काला चना	ग्रीष्मकालीन फसलों जैसे- मुंग, उड़द एवं मूंगफली तथा सब्जिया किसान भाई अभी तक नहीं लगाये हो तो, यथाशिघ्र खेत की जुताई कर बुआई करे। मुंग एवं उड़द के बीज को बोने से पहिले राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करे। यदि फसल की बुआई हो गई हो तो, फसल की निंदाई एवं गुड़ाई का कार्य करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	आम में इस समय बौर (फुल) आ चुका है तथा फल लगना प्रारम्भ हो रहा है। इस अवस्था में बौर में भभूतिया रोग लगने की संभावना रहती है। अतः सलाह दी जाती है कि इसकी सतत निगरानी करें तथा रोग के लक्षण दिखाई देने की स्थिति में बॉविस्टीन 1.5 ग्राम अथवा सल्फेक्स 3 ग्राम प्रतिलीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें। आम में फल मटर के दाने के बराबर हो गए हो तो सिंचाई करने की सलाह दी जाती है, जिससे की फलो को झड़ने से बचाया जा सके।
आलू	किसान भाई आलू, अदरक, हल्दी एवं कंद वर्गीय फसलों की खुदाई कर सुरक्षित स्थान पर रखे। किसान भाई अपने फसल के परिपक्वता की अवस्था को देखते हुए खुदाई से ७ से १० दिन पहिले ऊपर का पत्ता काटकर हटा दे, ताकि आलु सक्त एवं उसका छिलका भी भली-भांति परिपक्व हो जायें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू गायों एवं भैंसों को प्रोटीन युक्त दलहनी हरा चारा जैसे बरसिम एवं लुसर्न की कटाई कर सूखे चारे जैसे गेहूँ का भूसा एवं कुट्टी के साथ ३:१ के अनुपात में मिलाकर खिलायें। किसान भाई अपने जानवरों को धूप में निकलने से बचाये, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाये तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलाये। पशु बाड़े को हवादार बनाये एवं गिले बारदाने लटकाकर ठंडा रखे। यदि संभव हों तो पशु बाड़े में फौगर की व्यवस्था कर हर चार-पाच घंटे में फौगर चलायें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रायोगिक ब्लॉक स्तरीय एग्रोमेट एडवाइजरी बुलेटिन
(आईएमडी और आईसीएआर की एक संयुक्त पहल)



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-02-2024

कोरिया(छत्तीसगढ़) में मनेन्द्रगढ़ ब्लॉक के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-02-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-02-21	2024-02-22	2024-02-23	2024-02-24	2024-02-25
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	30.0	29.0	29.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	13.0	12.0	13.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	85	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	11	12	9	10
पवन दिशा (डिग्री)	293	291	289	27	45
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में आसमान साफ एवंआमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः २९.० से ३०.०°C और १२.० से १६.०°C के मध्य रह सकता है। सुबह हवा में ८०-८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ३०-३५ प्रतिशत नमी रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में हवा की गति लगभग ८-१२ किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है।

सामान्य सलाहकार:

वर्तमान मौसम को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह है कि रबी फसलों के कटाई के उपरांत अधिक समय के लिए खेतों में न रखे तथा जल्द से जल्द मिसाई कर अच्छी तरह सुखाकर सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें।

लघु संदेश सलाहकार:

अगले दिनों में तापमान बढ़ने की संभावना को देखते हुये ग्रीष्मकालीन उड़द एवं ग्रीष्मकालीन सब्जियों वाली फसलों में उचित अन्तराल पर सिंचाई करे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	समय से बोई गई गेहूँ की फसल फुल अवस्था से दाना भरने की अवस्था में आ गई है एवं इस समय फसल में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए, नमी की कमी होने पर खेत की सिंचाई करे। जहाँ गेहूँ की फसल

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	बालियाँ निकलने की अवस्था में हैं अतः जो किसान भाई बीज उत्पादन करना चाहते हैं, वे विजातीय पौधों को निकालकर खेत से अलग करें।
चना	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि खेत की सतत निगरानी करते रहे एवं इल्ली का प्रकोप होने पर इल्ली को हाथ से चुनकर नष्ट करे तथा इसके प्रारम्भिक नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन जैसे फीरोमोन प्रपंच, प्रकाश प्रपंच या अनुशंसित दवाई की निर्धारित मात्रा का उपयोग करें। चने में बड़ी इल्लियों के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफास + साइपरमेथ्रिन मिश्रित कीटनाशक 400 मि.ली./ एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में घोलकर मौसम खुलने पर छिड़काव करे।
सरसों	सरसों कि फसल में माहूँ (एफिड) कीट की शिशु और वयस्क दोनों ही हानिकारक अवस्थाएँ है। इस कीट का अधिक प्रकोप होने पर नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 250 मि.ली. प्रति हे. की दर से घोल बनाकर 10-15 दिन के अंतराल पर आवश्यकतानुसार दो से तीन बार छिड़काव करें। निचली पत्तियों पर रोग के लक्षण दिखाई देने पर मेटालेकिसल ०१ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से मौसम खुलने पर छिड़काव करें। रोग की तीव्रता के अनुसार 10-12 दिन बाद एक छिड़काव और किया जा सकता है। समय से बुआई की गई सरसों की फसल परिपक्वता अवस्था में आ गई हो, तो किसान भाई इसकी कटाई करे एवं उसे २-३ दिनों तक धूप में सूखने दे।
काला चना	ग्रीष्मकालीन फसलों जैसे- मुंग, उड़द एवं मूंगफली तथा सब्जिया किसान भाई अभी तक नहीं लगाये हो तो, यथाशिघ्र खेत की जुताई कर बुआई करे। मुंग एवं उड़द के बीज को बोने से पहिले राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करे। यदि फसल की बुआई हो गई हो तो, फसल की निंदाई एवं गुड़ाई का कार्य करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	आम में इस समय बौर (फुल) आ चुका है तथा फल लगना प्रारम्भ हो रहा है। इस अवस्था में बौर में भभूतिया रोग लगने की संभावना रहती है। अतः सलाह दी जाती है कि इसकी सतत निगरानी करें तथा रोग के लक्षण दिखाई देने की स्थिति में बॉविस्टीन 1.5 ग्राम अथवा सल्फेक्स 3 ग्राम प्रतिलीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें। आम में फल मटर के दाने के बराबर हो गए हो तो सिंचाई करने की सलाह दी जाती है, जिससे की फलो को झड़ने से बचाया जा सके।
आलू	किसान भाई आलू, अदरक, हल्दी एवं कंद वर्गीय फसलों की खुदाई कर सुरक्षित स्थान पर रखे। किसान भाई अपने फसल के परिपक्वता की अवस्था को देखते हुए खुदाई से ७ से १० दिन पहिले ऊपर का पत्ता काटकर हटा दे, ताकि आलु सक्त एवं उसका छिलका भी भली-भांति परिपक्व हो जायें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू गायों एवं भैंसों को प्रोटीन युक्त दलहनी हरा चारा जैसे बरसिम एवं लुसर्न की कटाई कर सूखे चारे जैसे गेहूँ का भूसा एवं कुट्टी के साथ ३:१ के अनुपात में मिलाकर खिलायें। किसान भाई अपने जानवरों को धूप में निकलने से बचाये, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाये तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलाये। पशु बाड़े को हवादार बनाये एवं गिले बारदाने लटकाकर ठंडा रखे। यदि संभव हों तो पशु बाड़े में फौगर की व्यवस्था कर हर चार-पाच घंटे में फौगर चलायें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रायोगिक ब्लॉक स्तरीय एग्रोमेट एडवाइजरी बुलेटिन

(आईएमडी और आईसीएआर की एक संयुक्त पहल)



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-02-2024

कोरिया(छत्तीसगढ़) में खड़गावां ब्लॉक के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-02-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-02-21	2024-02-22	2024-02-23	2024-02-24	2024-02-25
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	30.0	29.0	29.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	13.0	12.0	13.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	85	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	11	12	9	10
पवन दिशा (डिग्री)	293	291	289	25	45
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में आसमान साफ एवंआमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः २९.० से ३०.०°C और १२.० से १६.०°C के मध्य रह सकता है। सुबह हवा में ८०-८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ३०-३५ प्रतिशत नमी रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में हवा की गति लगभग ८-१२ किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है।

सामान्य सलाहकार:

वर्तमान मौसम को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह है कि रबी फसलों की कटाई के उपरांत अधिक समय के लिए खेतों में न रखे तथा जल्द से जल्द मिसाई कर अच्छी तरह सुखाकर सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें।

लघु संदेश सलाहकार:

अगले दिनों में तापमान बढ़ने की संभावना को देखते हुये ग्रीष्मकालीन उड़द एवं ग्रीष्मकालीन सब्जियों वाली फसलों में उचित अन्तराल पर सिंचाई करे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	समय से बोई गई गेहूँ की फसल फुल अवस्था से दाना भरने की अवस्था में आ गई है एवं इस समय फसल में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए, नमी की कमी होने पर खेत की सिंचाई करे। जहाँ गेहूँ की फसल

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	बालियाँ निकलने की अवस्था में हैं अतः जो किसान भाई बीज उत्पादन करना चाहते हैं, वे विजातीय पौधों को निकालकर खेत से अलग करें।
चना	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि खेत की सतत निगरानी करते रहे एवं इल्ली का प्रकोप होने पर इल्ली को हाथ से चुनकर नष्ट करे तथा इसके प्रारम्भिक नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन जैसे फीरोमोन प्रपंच, प्रकाश प्रपंच या अनुशंसित दवाई की निर्धारित मात्रा का उपयोग करें। चने में बड़ी इल्लियों के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफास + साइपरमेथ्रिन मिश्रित कीटनाशक 400 मि.ली./ एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में घोलकर मौसम खुलने पर छिड़काव करे।
सरसों	सरसों कि फसल में माहूँ (एफिड) कीट की शिशु और वयस्क दोनों ही हानिकारक अवस्थाएँ है। इस कीट का अधिक प्रकोप होने पर नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 250 मि.ली. प्रति हे. की दर से घोल बनाकर 10-15 दिन के अंतराल पर आवश्यकतानुसार दो से तीन बार छिड़काव करें। निचली पत्तियों पर रोग के लक्षण दिखाई देने पर मेटालेकिसल ०१ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से मौसम खुलने पर छिड़काव करें। रोग की तीव्रता के अनुसार 10-12 दिन बाद एक छिड़काव और किया जा सकता है। समय से बुआई की गई सरसों की फसल परिपक्वता अवस्था में आ गई हो, तो किसान भाई इसकी कटाई करे एवं उसे २-३ दिनों तक धूप में सूखने दे।
काला चना	ग्रीष्मकालीन फसलों जैसे- मुंग, उड़द एवं मूंगफली तथा सब्जिया किसान भाई अभी तक नहीं लगाये हो तो, यथाशिघ्र खेत की जुताई कर बुआई करे। मुंग एवं उड़द के बीज को बोने से पहिले राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करे। यदि फसल की बुआई हो गई हो तो, फसल की निंदाई एवं गुड़ाई का कार्य करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	आम में इस समय बौर (फुल) आ चुका है तथा फल लगना प्रारम्भ हो रहा है। इस अवस्था में बौर में भभूतिया रोग लगने की संभावना रहती है। अतः सलाह दी जाती है कि इसकी सतत निगरानी करें तथा रोग के लक्षण दिखाई देने की स्थिति में बॉविस्टीन 1.5 ग्राम अथवा सल्फेक्स 3 ग्राम प्रतिलीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें। आम में फल मटर के दाने के बराबर हो गए हो तो सिंचाई करने की सलाह दी जाती है, जिससे की फलो को झड़ने से बचाया जा सके।
आलू	किसान भाई आलू, अदरक, हल्दी एवं कंद वर्गीय फसलों की खुदाई कर सुरक्षित स्थान पर रखे। किसान भाई अपने फसल के परिपक्वता की अवस्था को देखते हुए खुदाई से ७ से १० दिन पहिले ऊपर का पत्ता काटकर हटा दे, ताकि आलु सक्त एवं उसका छिलका भी भली-भांति परिपक्व हो जायें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू गायों एवं भैंसों को प्रोटीन युक्त दलहनी हरा चारा जैसे बरसिम एवं लुसर्न की कटाई कर सूखे चारे जैसे गेहूँ का भूसा एवं कुट्टी के साथ ३:१ के अनुपात में मिलाकर खिलायें। किसान भाई अपने जानवरों को धूप में निकलने से बचाये, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाये तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलाये। पशु बाड़े को हवादार बनाये एवं गिले बारदाने लटकाकर ठंडा रखे। यदि संभव हों तो पशु बाड़े में फौगर की व्यवस्था कर हर चार-पाच घंटे में फौगर चलायें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रायोगिक ब्लॉक स्तरीय एग्रोमेट एडवाइजरी बुलेटिन
(आईएमडी और आईसीएआर की एक संयुक्त पहल)



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-02-2024

कोरिया(छत्तीसगढ़) में भरतपुर ब्लॉक के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-02-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-02-21	2024-02-22	2024-02-23	2024-02-24	2024-02-25
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	30.0	29.0	29.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	13.0	12.0	13.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	85	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	11	12	9	10
पवन दिशा (डिग्री)	248	238	248	60	65
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में आसमान साफ एवंआमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः २९.० से ३०.०°C और १२.० से १६.०°C के मध्य रह सकता है। सुबह हवा में ८०-८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ३०-३५ प्रतिशत नमी रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में हवा की गति लगभग ८-१२ किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है।

सामान्य सलाहकार:

वर्तमान मौसम को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह है कि रबी फसलों की कटाई के उपरांत अधिक समय के लिए खेतों में न रखे तथा जल्द से जल्द मिसाई कर अच्छी तरह सुखाकर सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें।

लघु संदेश सलाहकार:

अगले दिनों में तापमान बढ़ने की संभावना को देखते हुये ग्रीष्मकालीन उड़द एवं ग्रीष्मकालीन सब्जियों वाली फसलों में उचित अन्तराल पर सिंचाई करे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	समय से बोई गई गेहूँ की फसल फुल अवस्था से दाना भरने की अवस्था में आ गई है एवं इस समय फसल में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए, नमी की कमी होने पर खेत की सिंचाई करे। जहाँ गेहूँ की फसल

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	बालियाँ निकलने की अवस्था में हैं अतः जो किसान भाई बीज उत्पादन करना चाहते हैं, वे विजातीय पौधों को निकालकर खेत से अलग करें।
चना	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि खेत की सतत निगरानी करते रहे एवं इल्ली का प्रकोप होने पर इल्ली को हाथ से चुनकर नष्ट करे तथा इसके प्रारम्भिक नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन जैसे फीरोमोन प्रपंच, प्रकाश प्रपंच या अनुशंसित दवाई की निर्धारित मात्रा का उपयोग करें। चने में बड़ी इल्लियों के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफास + साइपरमेथ्रिन मिश्रित कीटनाशक 400 मि.ली./ एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में घोलकर मौसम खुलने पर छिड़काव करे।
सरसों	सरसों कि फसल में माहूँ (एफिड) कीट की शिशु और वयस्क दोनों ही हानिकारक अवस्थाएँ है। इस कीट का अधिक प्रकोप होने पर नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 250 मि.ली. प्रति हे. की दर से घोल बनाकर 10-15 दिन के अंतराल पर आवश्यकतानुसार दो से तीन बार छिड़काव करें। निचली पत्तियों पर रोग के लक्षण दिखाई देने पर मेटालेकिसल ०१ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से मौसम खुलने पर छिड़काव करें। रोग की तीव्रता के अनुसार 10-12 दिन बाद एक छिड़काव और किया जा सकता है। समय से बुआई की गई सरसों की फसल परिपक्वता अवस्था में आ गई हो, तो किसान भाई इसकी कटाई करे एवं उसे २-३ दिनों तक धूप में सूखने दे।
काला चना	ग्रीष्मकालीन फसलों जैसे- मुंग, उड़द एवं मूंगफल्ली तथा सब्जिया किसान भाई अभी तक नहीं लगाये हो तो, यथाशिघ्र खेत की जुताई कर बुआई करे। मुंग एवं उड़द के बीज को बोने से पहिले राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करे। यदि फसल की बुआई हो गई हो तो, फसल की निंदाई एवं गुड़ाई का कार्य करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	आम में इस समय बौर (फुल) आ चुका है तथा फल लगना प्रारम्भ हो रहा है। इस अवस्था में बौर में भभूतिया रोग लगने की संभावना रहती है। अतः सलाह दी जाती है कि इसकी सतत निगरानी करें तथा रोग के लक्षण दिखाई देने की स्थिति में बॉविस्टीन 1.5 ग्राम अथवा सल्फेक्स 3 ग्राम प्रतिलीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें। आम में फल मटर के दाने के बराबर हो गए हो तो सिंचाई करने की सलाह दी जाती है, जिससे की फलो को झड़ने से बचाया जा सके।
आलू	किसान भाई आलू, अदरक, हल्दी एवं कंद वर्गीय फसलों की खुदाई कर सुरक्षित स्थान पर रखे। किसान भाई अपने फसल के परिपक्वता की अवस्था को देखते हुए खुदाई से ७ से १० दिन पहिले ऊपर का पत्ता काटकर हटा दे, ताकि आलु सक्त एवं उसका छिलका भी भली-भांति परिपक्व हो जायें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू गायों एवं भैंसों को प्रोटीन युक्त दलहनी हरा चारा जैसे बरसिम एवं लुसर्न की कटाई कर सूखे चारे जैसे गेहूँ का भूसा एवं कुट्टी के साथ ३:१ के अनुपात में मिलाकर खिलायें। किसान भाई अपने जानवरों को धूप में निकलने से बचाये, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाये तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलाये। पशु बाड़े को हवादार बनाये एवं गिले बारदाने लटकाकर ठंडा रखे। यदि संभव हों तो पशु बाड़े में फौगर की व्यवस्था कर हर चार-पाच घंटे में फौगर चलायें।